वन प्राणी भाई-बहन की तरह, इनका संरक्षण करें

संवाद सूत्र, सेन्हा (लोहरदगा) : सेन्हा प्रखंड स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय जोगना के सभागार में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत प्रकृति कार्यक्रम अंतर्गत पर्यावरण जागरूकता कार्यशाला का आयोजन वन उत्पादकता संस्थान रांची द्वारा किया गया।

मौके पर नवोदय विद्यालय के बच्चों को संबोधित करते हुए उप वन संरक्षक अंजना सुचिता तिर्की ने कहा कि मनुष्य सब कुछ खुद के लिए करता है। मनुष्य से पहले जंगल था बाद में मनुष्य आया और पेड़ पौधे का दोहन शुरू हुआ। पेड़ पौधे से हमें झूला पालना से लेकर अर्थी तक का सफर करने का मौका मिलता है। हमें पेड़-पौधा, जीव जंतु का संरक्षण करना चाहिए। इंसान को महत्वकांक्षी होना चाहिए। किसी चीज को पाने के लिए संघर्ष करना

पर्यावरण जागरूकता कार्यशाला के दौरान पौधरोपण करते अतिथि● जागरण

पर्यावरण जागरूकता कार्यशाला में मंचासीन अतिथि● जागरण

चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पार्क बनाकर जीव जंतु का संरक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चीता जैसा जीव भारत से लुप्त हो गया है। नए पीढ़ी को इसका दर्शन नहीं होगा। डायनासोर सिर्फ कहानी बनकर रह गया है, इंसान ज्यादा बुद्धिमान है तो पौधरोपण कर संरक्षण करें, ताकि कभी भी ऑक्सीजन की कमी नही होगा। विकास भी होना चाहिए लेकिन पेड़ों की कटाई कर नहीं बल्कि उसे बचाव कर।

तभी मनुष्य सुरक्षित रहेगा। पेड़-पौधों को अगर मनुष्य नुकसान करते हैं तो मनुष्य को ही पौधरोपण कर उसे बचाना होगा। सभी जीव की आवश्यकता है इसे बचाना है। सारे प्राणी भाई-बहन है उसका संरक्षण करें। जनसंख्या जिस गति से बढ़ रहा है तो उस गति से पेड़ पौधे लगाए पर्यावरण दूषित होने से बचाएं। यह सभी की जिम्मेवारी है। नए दौर के युवाओं में नुकसान हुए पेड़ पौधे को पुनः वापस लाना होगा। स्वागत भाषण प्राचार्य सुमन सुरीन ने दिया। जबकि मंच संचालन उप-प्राचार्य पीके सिंह ने किया। मौके पर अंजना सुचिता तिर्की, उप वन संरक्षक रांची मुख्य तकनीकी अधिकारी एसएन वैद्य, एवं नेसार आलम, तकनीकी अधिकारी विष्णु देव पंडित आदि थे।